महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

चौकमाफी पीपीगंज गोरखपुर उत्तर प्रदेश २७३१६५

Mahayogi Gorakhnath Krishi Vigyan Kendra

Chaukmafi (Peppeganj), Jangal Kaudiya Gorakhpur, U.P-273165

Website : http://www.mgkvk.in Email: gorakhpurkvk2@gmail.com

डॉ विवेक प्रताप सिंह

विशेषज्ञ - पशुपालन

पशुओं में खनिज लवण की आवश्यकता

हमारे देश में दुधारू पशुओं की संख्या के अनुपात में चरागाह भूमि बहुत ही कम है। अधिकतर गाय, भैंसों का पालन–पोषण सूखे चारे एवं भूसे पर ही निर्भर रहता है तथा बहुत ही कम पशुओं को हरा चारा उपलब्ध हो पाता है। अधिकतर पशु सूखा चारा खा कर ही अपने पेट को भर पाते हैं ऐसी स्थिति में पशुओं को स्वस्थ्य रखने हेतु आवश्यक मात्रा में खनिज लवणों की पूर्ति नहीं हो पाती है क्योंकि सूखे चारे या भूसे में पशु की दैनिक आवश्यकतानुसार खनिज लवण उपलब्ध नहीं होते हैं। जिसके परिणामस्वरूप पशु में खनिज लवण की कमी के लक्षण देखने को मिलते हैं और पशु रोगग्रस्त हो जाता है। पशुओं के दुग्ध उत्पादन व ऊन उत्पादन में भी काफी कमी आती है जिससे कि पशुपालकों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है।

खनिज लवणों की कमी से बहुत सारी बीमारियाँ जैसे रिकेट्स (हड्डियों का अल्प विकास या पतलापन), पाइका, दुग्ध ज्वर, घेंघा, रक्त अल्पता, खुरदरी त्वचा, प्रजनन क्षमता में कमी, गर्भधारण में देरी, रोगरोधी क्षमता का ह्रास इत्यादि प्रारम्भ हो जाती हैं।

पशुओं के लिए क्षेत्रिय खनिज मिश्रण कैसे बनाएं?

खनिज लवण अवयव	मात्रा (ग्राम)
डाई कैल्शियम फास्फेट	1960
जिंक सल्फेट	32
कॉपर सल्फेट	8
नमक	1000

उपरोक्त खनिज मिश्रण शुष्क एवं अर्ध शुष्क क्षेत्रों के लिये उपयुक्त हैं।

कितनी मात्रा में खिलाएं?

उपरोक्त खनिज लवणों को अच्छी तरह से मिलाकर प्रति दुधारु पशु जिनकी क्षमता 8–10 ली. है, को 50 ग्राम प्रति पशु के हिसाब से राशन के साथ मिलाकर दें। अन्य पशुओं को 30–40 ग्राम प्रति दिन के हिसाब से दाने के साथ मिलाकर दें। बाजार में उपलब्ध बना बनाया खनिज मिश्रण भी पशुओं को खिलाया जा सकता है।